

| Seite | |
|-----------|--|
| 1 | Vorwort <i>Ruth Merckle</i> |
| 4 | Mecklenburg – Kulturgeschichtliche Anmerkungen <i>Jutta de Vries</i> |
| 4 | Mittelalter |
| 4 | Renaissance und Barock |
| 6 | Leben im Barock |
| 8 | Gesellschaftlicher Wandel im 19. Jahrhundert |
| 9 | Mecklenburg im real existierenden Sozialismus und nach der Wende |
| 10 | Geschichte von Gut und Dorf <i>Jutta de Vries</i> |
| 14 | Baugeschichte <i>Jutta de Vries</i> |
| 14 | Barock in Mecklenburg |
| 14 | Der Baumeister Charle Philippe Dieussart |
| 16 | Hohen Luckow und sein Bauherr |
| 20 | Baubeschreibung <i>Jutta de Vries</i> |
| 20 | Die Hofanlage |
| 20 | Das Haus |
| 20 | Aussenbau |
| 23 | Rundgang im Innern |
| 28 | Heutige Möblierung |
| 30 | Wappen <i>Peter Goetze/ Jürgen Luttmann</i> |
| 30 | Die Wappensage derer von Bassewitz |
| 30 | Der Wappenfries im Rittersaal |
| 38 | Emblemprogramm <i>Prof. Dr. Dietmar Peil</i> |
| 38 | Was ist ein Emblem? |
| 40 | Das Emblem als Rätsel |
| 40 | Die Vorlage der Embleme |
| 42 | Die Themen der Embleme und ihre Leserichtung |
| 44 | Bildmotive und Bildtypen |
| 46 | Zur Bewertung der Embleme in Hohen Luckow |
| 48 | Stuckdekoration <i>Dr. Barbara Rinn</i> |
| 48 | Der Rittersaal |
| 52 | Der Stuckateur |
| 54 | Der Salon im Erdgeschoss |
| 55 | Bedeutung |
| 56 | Park <i>Jutta de Vries/ Dr. Karin Holland</i> |
| 60 | Kirche <i>Jutta de Vries</i> |
| 60 | Baugeschichte |
| 60 | Außenbau |
| 62 | Umbauphasen |
| 62 | Innenraum |
| 62 | Ausstattung |
| 62 | Kanzelaltar |
| 64 | Taufengel |
| 65 | Epitaph und Gruft |
| 66 | Herrschaftsloge und Empore |
| 67 | Orgel |
| 67 | Zusammenfassende Bewertung |
| 68 | Heutige Nutzung <i>Dr. Karin Holland</i> |
| 68 | Landwirtschaft |
| 72 | Ackerbau |
| 74 | Milchvieh |
| 76 | Weiterführende Literatur |
| 78 | Autoren |
| 79 | Verzeichnis der Abbildungen |
| 80 | Impressum |